फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 19 प्रभात जयपुर, गुरूवार 20 अगस्त, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

epaper.rashtradoot.com

Kotha To The Gramophone

The boldness of some of the lyrics? For example, the ghazal *Tum ek bosa karo inayat* (bestow upon me a kiss) by Bai Sunderabai. Who were these women? Who were their ustads?

The Postcard That Changed a Career

While walking past a notice board advertising engineering opportunities, she noticed a discriminatory condition: Ladies need not apply…

कांग्रेस ने तय किया है कि पार्टी वंदे मातरम् के दो ही अंतरे गाएगी

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में निर्णय लिया गया है कि पार्टी 1937 के सीडब्ल्युसी के फैसले का पालन करेगी, जिसमें वंदे मातरम् के दो अंतरे गाने का प्रस्ताव पारित किया गया था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। कांग्रेस कार्यसमिति ने 'वंदे मातरम्' को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अपनाए गए रुख को खारिज कर दिया है और कहा है कि पार्टी इस मुद्दे पर 1937 में लिए गए सीडब्ल्यूसी के फैसले का पालन करेगी।

कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी 1937 के कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के फैसले के अनुसार ही चलेगी और वंदे मातरम् के केवल दो अंतरे गाएगी।

उन्होंने बताया कि सीडब्ल्यूसी की बैठक में छात्र आंदोलनों, राममंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, परिसीमन, महिला आरक्षण, विदेश नीति और हल्द्वानी की घटना सहित, कई मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

करीब चार घंटे चली सीडब्ल्यूसी की बैठक में छात्रों और शिक्षा सुधार के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों से कहा गया कि वे शिक्षा सुधारों पर एक विस्तृत दस्तावेज तैयार करें, जिसमें यह बताया जाए कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार कैसे किए जा सकते हैं और उन्हें पूरे देश में किस तरह लागू किया जा सकता है।

- **तकरीबन साढ़े चार घंटे चली सीडब्ल्युसी की बैठक में छात्र आंदोलनों, शिक्षा सुधार, चढ़ावा चोरी, परिसीमन, महिला आरक्षण और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।**
- **बैठक में कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों को शिक्षा सुधार पर विस्तृत दस्तावेज तैयार करने का निर्देश दिया गया।**
- **पर, सबसे बड़ा सवाल है कि कांग्रेस संगठन में बड़ी संख्या में रिक्त पद हैं, तो क्या कांग्रेस कमज़ोर और कटे छंटे संगठन के साथ भाजपा का मुकाबला कर पाएगी, जिसकी सबसे बड़ी ताकत मजबूत संगठन है।**

कांग्रेस चाहती है कि अगले 25 वर्षों के लिए मौजूदा लोकसभा सीटों की संख्या को स्थिर रखा जाए।

पार्टी राम मंदिर और अन्य मंदिरों से जुड़े कथित चढ़ावा चोरी के मामलों को लेकर देशव्यापी कार्यक्रम भी शुरु करेगी।

दिलचस्प बात यह है कि महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने संगठन समीक्षा कार्यक्रम को लेकर एक विस्तृत पुस्तिका भी जारी की है। इस समीक्षा के दौरान, उन्होंने महासचिवों, प्रदेश कांग्रेस कमेटी पीसीसी के अध्यक्षों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं और अन्य पदाधिकारियों के साथ संगठन के स्तर पर अब तक किए गए कामों का जायज़ा लिया था।

लेकिन पार्टी के सामने सबसे बड़ी कमजोरी संगठन में बड़ी संख्या में खाली पड़े पद हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'श्मशान का तोड़ा गया गेट एक सप्ताह में ठीक करें'

जयपुर, 19 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने जेडीए सचिव को कहा है कि वे शहर के टीएन मिश्र मार्ग की तरफ से रेल नगर कॉलोनी से जुड़ी श्मशान भूमि के तोड़े गए गेट को एक सप्ताह में लगाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही,

- **हाई कोर्ट ने जेडीए सचिव को 24 अगस्त को पालना रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।**

अदालत ने 24 अगस्त को पालना रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अधिवक्ता अखिल सिमलोट ने अदालत को बताया कि यह मामला स्वामी विहार और रेल नगर के बीच स्थित श्मशान भूमि में जाने के लिए गेट खोलने से जुड़ा है। जेडीए की ओर से 11 अगस्त, 2025 को अदालत में शपथ पत्र पेश कर जानकारी दी गई थी कि स्वामी विहार की तरफ एक चार फीट और एक दस फीट चौड़ा गेट लगा हुआ है। वहीं रेल नगर की तरफ भी एक प्रवेश द्वार बना हुआ है। ऐसे में श्मशान भूमि में जाने के लिए दो गेट मौजूद हैं। वहीं, न्यायमित्र ने अदालत को बताया कि रेल नगर कॉलोनी की तरफ वाले गेट को अज्ञात लोगों ने तोड़ दिया है। मामले पर सुनवाई करते हुए अदालत ने जेडीए सचिव को एक सप्ताह में यह गेट लगाने को कहा है।

28 में से 14 मुख्यमंत्रियों के खिलाफ गंभीर क्रिमिनल केस हैं

न्यायमित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने सुप्रीम कोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। मौजूदा और पूर्व सांसदों तथा विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों की सुनवाई में तेजी लाने से संबंधित एक दशक पुराने मामले में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) और वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने बताया है कि देश के 28 में से 14 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

हंसारिया द्वारा अदालत में पेश की गई सूची में सबसे ऊपर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी हैं, जिनके खिलाफ 89 मामले बताए गए हैं।

सूची के अनुसार, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी के खिलाफ 29, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. शिवकुमार के खिलाफ 19, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ 19 और केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन के खिलाफ 18 मामले हैं।

- **वर्तमान व पूर्व सांसदों और विधायकों के खिलाफ अपराधिक मामलों के ट्रायल में तेजी लाने संबंधी एक दशक पुराने मामले की सुनवाई के दौरान यह खुलासा हुआ।**
- **इस लिस्ट में 89 केस के साथ तेलंगाना के मुख्यमंत्री रैवंत रेड्डी टॉप पर हैं। प.बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी के खिलाफ 29 केस, आंध्र के सीएम चंद्रबाबू नायडू व कर्नाटक के सीएम शिवकुमार के खिलाफ 19-19 केस हैं।**
- **सब से कम, एक-एक केस जिन मुख्यमंत्रियों पर हैं, उनमें राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल, सिक्किम के पीएस तमांग, पंजाब के भगवंत मान, ओडिशा के मोहन चारण मांझी शामिल हैं।**

इसके अलावा झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ 5, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के खिलाफ 4 और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह के खिलाफ 4 गंभीर आपराधिक मामले हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के खिलाफ 2-2 मामले दर्ज हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रदेश में सरकारी स्कूल के बच्चों के हिस्से के दूध की कालाबाज़ारी हो रही है

स्कूली बच्चों का पोषण स्तर बढ़ाने के लिए शुरु की गई बाल गोपाल योजना में भारी कमियाँ उजागर हुईं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। राजस्थान की पन्नाधाय बाल गोपाल योजना 58 प्रतिशत आपूर्ति की कमी, दूध पाउडर को कथित रूप से खुले बाजार में बेचने और एक्सपायरी डेट स्टॉक के खतरे से जूझ रही है।

राजस्थान में बच्चों के लिए निर्धारित दूध कथित रूप से उन तक नहीं पहुंच रहा है। ऐसी रिपोर्टें सामने आई हैं कि स्कूली बच्चों के लिए निर्धारित पाउडर वाले दूध का स्टॉक कथित रूप से व्यावसायिक बाजार में भेजा जा रहा है, वहीं पुराना स्टॉक भी है, जिसके एक्सपायर होने का गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

नतीजा यह है कि हजारों विद्यार्थियों के पोषण में सुधार के उद्देश्य से शुरू की गई राज्य सरकार की एक प्रमुख योजना कागज पर किया गया वादा बनती नज़र आ रही है। पन्नाधाय बाल गोपाल योजना का उद्देश्य राजस्थान के करीब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **राज्य के 65,000 सरकारी स्कूलों के 69 लाख बच्चों को दूध उपलब्ध कराने के लिए शुरु की गई पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के तहत दूध की 58 प्रतिशत कम आपूर्ति हो रही है। अलवर, भरतपुर, उदयपुर, बीकानेर एवं कोटा में तो दूध वितरण पूरी तरह से बंद है।**
- **यही नहीं, कई जगहों पर स्कूली बच्चों का दूध अवैध तरीकों से मावा बनाने वाले व्यापारियों को बेचा जा रहा है, इसका खुलासा तब हुआ जब जयपुर के पास चीथवाड़ी गाँव में एक ट्रक पकड़ा गया, उसमें दूध पाउडर की बोरियां थीं, जिन पर साफ लिखा था, सिर्फ स्कूलों को आपूर्ति के लिए, बिक्री के लिए नहीं।**

मुफ्त ऑन लाइन कोचिंग पर शिक्षा मंत्री ने चर्चा की

नई दिल्ली, 19 अगस्त। केन्द्रीय शिक्षा और खाद्य, उपभोक्ता एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराने की प्रधानमंत्री की पहल को लेकर बुधवार को शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की।

शिक्षा मंत्री जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि उच्च शिक्षा

- **शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी ने अफसरों के साथ चर्चा में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाए।**

विभाग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक का मुख्य उद्देश्य एक मजबूत राष्ट्रीय मंच बनाना है, जिससे देशभर के छात्रों को उच्च-गुणवत्ता वाली अध्ययन सामग्री, विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और प्रतियोगी परीक्षाओं की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाथी नहीं गणेश हैं... ब्रह्मा, विष्णु, महेश हैं...

मायावती 2007 के इस नारे को क्या 2027 में पुनः भुनाने की कोशिश करना चाहती है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। हाथी नहीं गणेश है... ब्रह्मा, विष्णु, महेश है...

2007 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) का यह नारा राज्य की बसपा सामाजिक इंजीनियरिंग और मायावती की राजनीतिक किस्मत को बदलने वाला साबित हुआ था। , जो उस समय ब्राह्मण विरोधी और दलित-केन्द्रित पार्टी की छवि रखती थी, सभी जातीय समूहों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी के रूप में उभरी। मायावती ने ब्राह्मण-दलित गठजोड़ के सहारे सत्ता हासिल की थी।

क्या 20 साल बाद, यानी 2027 में 2007 का इतिहास दोहराया जा सकता है?

लगातार चुनावों में अपना राजनीतिक जनाधार खोती जा रही बसपा प्रमुख मायावती अपने 2007 के सफल फॉर्मूले को फिर से आजमाने के लिए उत्सुक दिखाई दे रही हैं।

मायावती ने बुधवार को घोषणा की कि बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा अब पार्टी के कानूनी और मीडिया विभागों की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। इसके अलावा वे चुनाव आयोग से जुड़े मामलों को भी देखेंगे।

- **बसपा प्रमुख मायावती ने अपने विश्वस्त और पार्टी के प्रमुख ब्राह्मण चेहरे सतीश चंद्र मिश्रा को पार्टी के चुनाव अभियान में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, इसके अलावा बसपा की लीगल व मीडिया टीम और चुनाव आयोग से जुड़े मामलों को भी वे ही देखेंगे।**
- **मायावती ने एक्स पर यह घोषणा की। साथ ही उन्होंने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सवर्ण, खासकर ब्राह्मण प्रत्याशियों की घोषणा करना भी शुरु कर दिया है।**
- **गौरतलब है कि वर्ष 2007 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में बसपा ने ब्राह्मणों का समर्थन कर जो सोशल इंजीनियरिंग की थी, उसने मायावती की राजनैतिक किस्मत बदल दी और ब्राह्मण विरोधी व दलित केन्द्रित पार्टी कही जाने वाली बसपा सभी जातियों की पार्टी बन कर उभरी थी।**

मायावती ने एक्स पर कहा कि "लम्बे समय से बसपा के राष्ट्रीय महासचिव रहे सतीश चंद्र मिश्रा को पार्टी ने कानूनी और मीडिया मामलों के साथ-साथ, चुनाव आयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं, जिनकी आगामी विधानसभा चुनावों में कई मायनों में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।"

मायावती ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए ब्राह्मण और अन्य सवर्ण वर्गों से उम्मीदवारों के नाम घोषित करना भी शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में अधिक ब्राह्मण उम्मीदवार उतारने के बसपा के फैसले से उसके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों में बेचैनी पैदा हो गई है।

मायावती ने सीधे तौर पर सपा तथा भाजपा का नाम लिए बिना कहा कि बसपा ने जब से समाज के सभी वर्गों, विशेषकर ब्राह्मण समुदाय, से उम्मीदवार उतारने शुरू किए हैं और 2007 की तरह पूर्ण बहुमत वाली बसपा सरकार बनाने की तैयारी की है, तब से विपक्षी दलों के बीच इसे लेकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम के 115 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए

गुवाहाटी, 19 अगस्त। असम में बाढ़ से पांच जिलों के 14 राजस्व मंडलों के 115 गांवों के 23876 नागरिक प्रभावित हैं। बाढ़ अपने पीछे लंबे समय तक न भूलने की त्रासदी छोड़ गई है। ऊपरी असम के चार जिलों के प्रभावित लोगों ने जन-धन गंवाने के बावजूद नए सिरे से अपनी जिंदगी को जीने की कवायद तेज कर दी है।

इस समय सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। बीती रात

- **अब तक 106 लोगों की मौत, 3200 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी।**

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में भी प्रभावितों के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने को लेकर निर्णय लिए गए।

अब तक 106 लोगों की मौत हो चुकी है। बाढ़ से सबसे अधिक नुकसान शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट एवं गोलाघाट जिलों में हुआ है। इस समय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

होर्मुज़ स्ट्रेट पर ईरान का नियंत्रण कमज़ोर पड़ रहा है

गत दो सप्ताह से होर्मुज़ स्ट्रेट से गुजरने वाले 80 प्रतिशत जहाजों ने ओमान का रास्ता चुना है, जो ओमान के उत्तरी तट से होकर गुज़रता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अगस्त। ईरान युद्ध में होर्मुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़) पर नियंत्रण की लड़ाई सबसे अहम मुकाबला बन गई है और फिलहाल इसका फायदा अमेरिका को मिलता दिख रहा है। ईरान के पास अब भी जहाजों पर हमला करने और समुद्री यातायात को बाधित करने की क्षमता है, लेकिन हाल में जहाजों की आवाजाही से मिले संकेत बताते हैं कि इस महत्वपूर्ण जलमार्ग पर उसकी पकड़ कमजोर हो रही है, क्योंकि अमेरिकी नौसेना के जहाज दूसरे रास्ते से जहाजों को सुरक्षा देते हुए आगे ले जा रहे हैं।

जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार, पिछले दो सप्ताह में होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले 80 प्रतिशत से अधिक जहाजों ने ओमान का रास्ता अपनाया है। यह रास्ता ओमान के उत्तरी तट से होकर गुज़रता है और संयुक्त राष्ट्र द्वारा अधिकृत समुद्री मार्ग है, जिसका ईरान कड़ा विरोध करता है।

यह बदलाव बहुत महत्वपूर्ण है। ईरान ने ओमान के रास्ते का इस्तेमाल करने की कोशिश करने वाले दर्जनों जहाजों पर हमला किया है और जोर देकर कहा है कि जलडमरूमध्य पर उसका नियंत्रण है। इसके बावजूद, जोखिम उठाते हुए अधिक से अधिक

- **हालांकि, ईरान के पास अब भी जहाजों पर हमला करने व समुद्री यातायात बाधित करने की क्षमता है, पर, हाल ही में संकेत मिले हैं कि ईरान की पकड़ कमज़ोर हो रही है, क्योंकि अमेरिकी नौ सेना जहाजों को सुरक्षा देकर दूसरे रास्ते से आगे ले जा रही है।**
- **जहाजों की आवाजाही पर नज़र रखने वाली कंपनी केप्लर ने बताया कि अब संतुलन बदल रहा है। ईरान अब यहाँ से शुल्क भी नहीं वसूल पा रहा है। ऊपरी तौर पर लग रहा है कि होर्मुज़ स्ट्रेट पर अमेरिका लड़ाई जीत रहा है।**

जहाज तेहरान की मांगों को नजरअंदाज कर रहे हैं और अमेरिकी नौसेना की सुरक्षा में आगे बढ़ रहे हैं।

केप्लर में कच्चे तेल के विश्लेषण के प्रमुख होमायून फलकशाही ने कहा, "ऐसा लगता है कि ईरान ने जलडमरूमध्य पर कम से कम आंशिक रूप से अपना नियंत्रण खो दिया है।"

संतुलन बदल रहा है। यह बदलाव एक महीने पहले की स्थिति से तुलना करने पर और साफ दिखाई देता है, जब केप्लर ने ओमान वाले रास्ते से लगभग कोई शिपिंग दर्ज नहीं की थी। ईरान के पसंदीदा रास्ते पर आवाजाही में भारी कमी के कारण तेहरान के लिए जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलना भी मुश्किल हो गया है, जैसा कि वह युद्ध के शुरुआती दौर में कर रहा था।

इस हफ्ते अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन की अवधि खत्म होने से सैद्धांतिक रूप से ईरान को फिर से ऐसा शुल्क वसूलने की अनुमति मिल गई है। लेकिन इस बात के बहुत कम प्रमाण हैं कि वह ऐसा कर पाया है।

पिकरिंग एनर्जी पार्टनर्स के संस्थापक और मुख्य निवेश अधिकारी डैन पिकरिंग ने कहा, "ओमान वाला रास्ता सबसे सही है।" उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सरकारों और शिपिंग कंपनियों ने ईरान की शुल्क वसूलने की मांग का विरोध किया है।

खाड़ी क्षेत्र के तेल उत्पादक देश भी अपने तरीकों में बदलाव कर रहे हैं। लिपो ऑयल एसोसिएट्स के अध्यक्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेपी नड्डा को दिल्ली एम्स से छुट्टी मिली

नई दिल्ली, 19 अगस्त। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को सफल एंजियोप्लास्टी के बाद, दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने बुधवार को डिस्चार्ज कर दिया। डॉक्टरों ने उनकी स्वास्थ्य स्थिति को पूरी तरह स्थिर बताते हुए

- **जेपी नड्डा 13 अगस्त को सीने में दर्द की शिकायत पर भर्ती हुए थे जहां उनकी एंजियोप्लास्टी हुई थी।**

अस्पताल से घर जाने की अनुमति दे दी।

नड्डा को 13 अगस्त को सीने में बेचैनी की शिकायत के बाद एम्स में भर्ती कराया गया था। जांच के दौरान उनकी कोरोनरी एंजियोग्राफी की गई, जिसके बाद 17 अगस्त को उनकी सफल एंजियोप्लास्टी की गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)